भजन

तर्ज–कोरा कागज था ये मन मेरा

पिया दे दो इश्के निगाहें,
रूहें तेरी तुझको ही चाहें

1– रखोगे कब तलक,जुदा वोह निगाहें
भर लो बाहों में,ये ही हैं सदायें
पिया खेल छोड़ो,रूह को मोड़ो,
अब न होंगे जुदा...

2– यादें वोह सताती हैं,संग जो बिताईं
तड़पी बहुत हूं मैं,लम्बी ये जुदाई
न तड़पाओ,आ भी जाओ
मैं तो हूं तुम्हारी..

3– कहा था तुमने तो,आऊंगा मैं लेने
रखना ईमान कायम,साथ हूं मैं तेरे
अब उठाओ, मिल भी जाओ
न हों फिर जुदा...